श्री महावीराय नमः

जय गुरु हीरा | श्री कुशलरत्नगजेन्द्रगणिभ्यो नमः | जय गुरु मान

परस्परोपग्रहो जीवानाम्

रत्नम्

वर्ष-2, अंक-28 | 25 जुलाई, 2017 | जोधपुर (राज.)

हिन्दी पाक्षिक | पृष्ठ-8 | मूल्य 5/- प्रति अंक

RNI No. RAJHIN/2015/66547

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ

पर्युषण पर्वाराधन

जैसे बांस में पर्व-पोर या गांठ का होना उसकी मजबूती का लक्षण है, वैसे ही जीवन रूपी बांस में भी यदि पर्व न होगा तो जीवन पुष्ट नहीं होगा। जीवन-यष्टि की संधि में पर्व लाना, उसे गतिशील बनाना है। साधना का वर्ष भी पर्व से दृढ़ होता है। अन्य पर्वों से विशिष्ट होने के कारण इसे पर्वाधिराज माना गया है। यदि इसे सप्राण बनाना है या सही ढंग से पर्वाराधन करना है और सामाजिक एवं आध्यात्मिक बल बढ़ाना है तो बच्चे और बूढ़ें सभी में साधना की जान डालना, विषय-कषाय को घटाकर मन के दूषित भावों को दूर भगाना, इस पुनीत पर्व का संदेश है।

– नमो पुरिसवरगंधहत्थीणं से आभार

य प्रताप से आप सपरिवार स्वस्थ एवं प्रसन्न होंगे
क, सामाजिक एवं व्यावसायिक गतिविधियाँ निर्बाध

रम श्रद्धेय आचार्यप्रवर 1008 श्री हीराचन्द्रजी म.सा.,
व्याख्यानी श्रद्धेय श्री महेन्द्रमुनिजी म.सा. आदि
र्थ प्रवेश क्रियोद्धारक भूमि भोपालगढ़ में हुआ।
ल-वृद्ध अपने आपको गुरु-सन्निद्धि से धन्य समझ
उपाध्यायप्रवर पं. रत्न श्री मानचन्द्रजी म.सा. आदि
के हेमसिंह कटला, महामन्दिर में चातुर्मासार्थ मंगल
प साध्वीप्रमुखा महासती श्री तेजकंवर जी म.सा. का
वेश हुआ। सभी संत-सती मण्डल का चातुर्मासार्थ
चातुर्मास स्थल पर सुखे-समाधे हुआ है।
चुका है। सभी चातुर्मास स्थलों पर धर्म-ध्यान,
धना निरन्तर गतिमान है। धर्माराधना का जो
उसे पूर्ण रूप से उपयोग करने का प्रयास करें,
। आचार्य भगवन्त 1008 श्री हस्तीमल जी म.सा. के
नो साधन आज जिस स्थिति मे है, कल उस स्थिति में
सकते। बुद्धिमानी इसी में है कि समय रहते प्राप्त
रूप में उपयोग कर कुछ लाभ प्राप्त कर लें तो
ी।
ब्दों को समझकर जीवन में उतारने का हम सभी
सर प्राप्त हुआ है, उसे व्यर्थ नहीं गंवाकर
बढ़ने का प्रयास करना होगा।
न्नयन में सजगता- जागरुकता बनाये रखें, इसी

पूरणराज अबानी
संघ महामंत्री

भोपालगढ़ में संघ व संघीय संस्थाओं की वार्षिक आमसभा, गुणी अभिनन्दन, वार्षिक अधिवेशन तथा कार्यकारिणी सभाओं का आयोजन 15–16–17 सितम्बर 2017 को

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, जोधपुर द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी गुणी-अभिनन्दन एवं विशिष्ट सेवाभावी कार्यकर्ताओं का सम्मान-समारोह, संघ एवं संघ की सहयोगी संस्थाओं के वार्षिक अधिवेशन, कार्यकारिणी सभाएँ तथा वार्षिक साधारण सभा का आयोजन शुक्रवार, शनिवार एवं रविवार, दिनांक 15-16 एवं 17 सितम्बर 2017 को क्रियोद्धारक भूमि भोपालगढ़, जिला-जोधपुर (राज.) में किया जा रहा है, जिसमें सभी संघ सदस्य सादर आमंत्रित है। कार्यक्रम इस प्रकार है-

शुक्रवार, दिनांक 15 सितम्बर, 2017

अ.भा. श्री जैन रत्न श्राविका मण्डल

वार्षिक अधिवेशन- मध्याह्न 12.30 बजे

कार्यकारिणी बैठक- सायं 7.30 बजे

शनिवार दिनांक, 16 सितम्बर, 2017

अ.भा. श्री जैन रत्न युवक परिषद्

वार्षिक अधिवेशन- मध्याह्न 12.30 बजे

अ.भा. श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ

कार्यकारिणी बैठक- सायं 8.00 बजे

रविवार, दिनांक 17 सितम्बर, 2017

अ.भा. श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ

गुणी अभिनन्दन समारोह दोपहर 12.30 बजे

संघ एवं संघीय संस्थाओं की संयुक्त **वार्षिक साधारण सभा**

अपराह्न 3.00 बजे

गुणी अभिनन्दन समारोह में संघ द्वारा प्रदत्त सम्मान

आचार्य हस्ती–स्मृति सम्मान

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, जोधपुर द्वारा प्रतिवर्ष जैन आगम, जैन धर्म-दर्शन, कला एवं संस्कृति तथा जैन जीवन-पद्धति के क्षेत्र में लेखन, शोध तथा जैन सिद्धान्तों के प्रचार-प्रसार में विशिष्ट योगदान करने वाले विशिष्ट विद्वान् को 'आचार्य हस्ती-स्मृति-सम्मान' से सम्मानित किया जाता है।

युवा प्रतिभा– शोध साधना–सेवा–सम्मान (45 वर्ष की आयु तक)–

1. प्रशासनिक चयन- राज्यस्तरीय व केन्द्रीय प्रशासनिक सेवा, न्यायाधिपति आदि विशिष्ट पदों पर चयन।
2. प्रोफेशनल विशिष्ट- डॉक्टर, इंजीनियर, चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट, कम्पनी सचिव व अन्य प्रोफेशनल कोर्स में योग्यता सूची में स्थान पाने पर।
3. शोध- वैज्ञानिक खोज (अहिंसा व जैन सिद्धान्तों को पुष्ट करने वाली)
4. संघ-सेवा- चतुर्विध संघ सेवा, विशेष धार्मिक अध्ययन, धार्मिक लेखन इत्यादि।

विशिष्ट स्वाध्यायी सम्मान (एक श्राविका, एक युवा, एक वरिष्ठ स्वाध्यायी)- कम से कम 10 वर्ष स्वाध्याय संघ, जोधपुर से स्वाध्यायी (पर्युषण पर्वाराधन) के रूप में सक्रिय सेवा।

गुणी–अभिनन्दन–

1. तपस्या- कम से कम पाँच वर्ष तक एकान्तर, दीर्घ तपस्या, दीर्घ संवर-साधना या अन्य विशिष्ट तप।
2. अन्य- सेवा, साधना, संघ उन्नयन में योगदान, चतुर्विध संघ-सेवा, विद्वान्।

न्यायमूर्ति श्री श्रीकृष्णमल लोढ़ा स्मृति युवा शिक्षा प्रतिभा सम्मान

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, जोधपुर के संघ-संरक्षक न्यायमूर्ति श्री श्रीकृष्णमल जी लोढ़ा की स्मृति में उनकी धर्मपत्नी स्व. श्रीमती उगमकंवरजी लोढ़ा की पावन प्रेरणा से संघ द्वारा ''न्यायमूर्ति श्री श्रीकृष्णमल लोढ़ा स्मृति युवा शिक्षा-प्रतिभा सम्मान प्रदान किया जाता है। इसके अन्तर्गत माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, विश्वविद्यालय आदि की परीक्षाओं में वरीयता सूची में विशिष्ट स्थान प्राप्त करने वाले श्रेष्ठ छात्र/छात्रा को सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगी एवं प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में उच्च वरीयता प्राप्त छात्र-छात्रा को भी सम्मानित किया जा सकता है।

डॉ. बिमला भण्डारी जैन रत्न शोध सम्मान

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न श्राविका मण्डल की पूर्व महामंत्री डॉ. बिमला जी भण्डारी की पुण्य स्मृति में अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ के

तत्त्वावधान में भण्डारी परिवार की ओर से जैन धर्म-दर्शन से सम्बद्ध विषय पर पी-एच्.डी एवं डी.लिट् उपाधि प्राप्त करने वाले शोधकर्त्ताओं को 'डॉ. बिमला भण्डारी जैन रत्न शोध सम्मान' से सम्मानित किया जाएगा। सम्मान राशि 'श्री सरदारमल भण्डारी चेरिटेबल ट्रस्ट, जयपुर' के सौजन्य से प्रदान की जाएगी।

संघ की कार्यकारिणी बैठक

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ की कार्यकारिणी बैठक शनिवार, 16 सितम्बर 2017 को सायं 8 बजे रखी गई है। सभी कार्यकारिणी सदस्य सादर आमंत्रित है।

संघ एवं संघीय संस्थाओं की संयुक्त वार्षिक आमसभा

संघ एवं संघ की सभी सहयोगी संस्थाओं की वार्षिक साधारण सभा रविवार, 17 सितम्बर 2017 को अपराह्न 3.00 बजे क्रियोद्धारक भूमि भोपालगढ़, जिला-जोधपुर में रखी गई है, जिसमें सभी संघ-सदस्यों की उपस्थिति सादर प्रार्थित है। वार्षिक साधारण सभा में विचारणीय विषय बिन्दु इस प्रकार है-

विचारणीय विषय बिन्दु

1. गत बैठक की कार्यवाही का पठन
2. संचालन समिति/कार्यकारिणी की बैठक में लिए गये निर्णयों की जानकारी/अनुमोदन।
3. संघ व संघ की सभी सहयोगी संस्थाओं के वार्षिक प्रतिवेदन एवं सदस्यों से प्राप्त सुझावों पर विचार।
4. संघ व संघ की कार्यकारिणीयों द्वारा स्वीकृत वर्ष 2016-2017 के वास्तविक आय-व्यय एवं वर्ष 2017-2018 के प्रस्तावित बजट का अनुमोदन।
5. अंकेक्षक की नियुक्ति।
6. संघ की सहयोगी संस्थाओं के अध्यक्ष/संयोजक द्वारा अभिव्यक्ति।
7. राष्ट्रीष्य संघाध्यक्ष महोदय द्वारा अभिव्यक्ति।
8. अन्य विषय अध्यक्ष महोदय की आज्ञा से।

नोट- भोपालगढ़ पधारने पर आपको **जिनशासन गौरव परमश्रद्धेय आचार्यप्रवर श्री 1008 श्री हीराचन्द्र जी म.सा., महान् अध्यवसायी सरस व्याख्यानी श्रद्धेय श्री महेन्द्रमुनि जी म.सा. आदि ठाणा 9 एवं व्याख्यात्री महासती श्री ज्ञानलता जी म. सा. आदि ठाणा 8** के दर्शन-वन्दन, प्रवचन-श्रवण का लाभ भी प्राप्त होगा।

संघ के सभी सदस्यों से अनुरोध है कि संघहित में अपने लिखित सुझाव संघ के प्रधान कार्यालय को 20 अगस्त 2017 तक भेजने की कृपा करें। संघहित में उपयोगी सुझावों पर यथोचित विचार एवं निर्णय करने का प्रयास रहेगा। संघ-सदस्यों को साधारण सभा में भाग लेने हेतु आप अपने क्षेत्र में भी अवश्य

सूचना करें।

संघ द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रमों में आप स्वयं सपरिवार तो पधारे ही, साथ ही संघ-सदस्यों को भी प्रेरणा करावें। अपने पधारने की सूचना संघ कार्यालय एवं अग्रांकित सम्पर्क सूत्र पर दिरावें-

1. श्री शिंभुलाल जी चोरडिया, अध्यक्ष, भोपालगढ़, मो. 94148-60036
1. श्री पूनवानचन्द जी ओस्तवाल, मंत्री, भोपालगढ़, मो. 94141-40468

डॉ. बिमला भण्डारी जैन रत्न शोध सम्मान हेतु चयन

डॉ. बिमला भंडारी जैन रत्न शोध सम्मान-2017 की चयन समिति की बैठक 19 जुलाई 2017 को सम्पन्न हुई। बैठक में इस वर्ष प्राप्त प्रविष्टियों की जांच कर वर्ष 2017 में सम्मान हेतु अग्रांकित शोधार्थियों का चयन किया गया है-

1. डॉ. धीरेन्द्र कुमार जलवानी, जोधपुर
2. डॉ. सुधा भंडारी-उदयपुर
3. डॉ. ममता जैन-उदयपुर
4. डॉ. संगीता खारीवाल-बैंगलुरू

इन सभी चयनित शोधार्थियों को अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ द्वारा 17 सितम्बर 2017 को भोपालगढ़ में आयोजित गुणी अभिनन्दन समारोह में सम्मानित किया जायेगा।

-कैलाशमल भंडारी, संयुक्त महामंत्री

अ.भा. श्री जैन रत्न श्राविका मण्डल की वार्षिक अधिवेशन तथा कार्यकारिणी बैठक 15 सितम्बर को

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न श्राविका मण्डल का वार्षिक अधिवेशन, शुक्रवार, दिनांक 15 सितम्बर 2017 को भोपालगढ़ (जिला-जोधपुर) में दोपहर 12.30 बजे आयोजित किया जायेगा। कार्यकारिणी बैठक इसी दिन सायं 7.30 बजे रखी गई है।

श्राविका मण्डल की सभी शाखाओं तथा सदस्याओं से निवेदन है कि उपरोक्त वर्णित कार्यक्रमों में अवश्य भाग लेकर अपनी सहभागिता प्रदर्शित करें तथा संघहित में अपने महत्त्वपूर्ण सुझाव 30 अगस्त 2017 तक भिजवाने का श्रम करावें। संघ एवं संघ के कार्यक्रमों में भाग लेकर अपना सकारात्मक सहयोग एवं रचनात्मक योगदान प्रदान कर हमें अनुगृहित करावें।

स्थानीय शाखाओं की ओर से आप क्या कार्यक्रम प्रस्तुत करना चाहती है। कृपया शीघ्र अपने नाम भिजवाने के साथ, 7 दिवस तक लगातार विहार-सेवा देने वालों के नाम और महत्त्वपूर्ण सुझाव शीघ्र भिजवाने का श्रम करावें।- बीना मेहता, महासचिव, अखिल भारतीय श्री जैन रत्न श्राविका मण्डल, घोड़ों का चौक,

जोधपुर (राज.), मो. 97727-93625

बने आगम अध्येता प्रतियोगियों हेतु आवश्यक सूचना

''बने आगम अध्येता'' योजना के अन्तर्गत उत्तराध्ययन सूत्र भाग-1 से 3 का संयुक्त परिणाम सभी प्रतिभागियों के मोबाइल पर व केन्द्राधीक्षक को भेजा गया है। आवश्यक सूत्र परीक्षा का परिणाम भी केन्द्राधीक्षकों व प्रतिभागियों के मोबाइल नं. पर शीघ्र ही भेजा जा रहा है। प्रतिभागियों का पारितोषिक प्रतिभागी के बैंक खाते में ही प्रेषित किया जायेगा।

अतः प्रतियोगिता के प्रत्येक प्रतिभागी अपना नाम, स्थान का उल्लेख करने के साथ निम्न जानकारी वॉट्सअप नं. 9413132362 पर अथवा **shravikamandal@yahoo.com** भिजवाने का श्रम करावें- **Name of Account Holder, Bank Account Number, Name of Bank, Branch, IFSC Code, Mobile Number.**

अ.भा. श्री जैन रत्न युवक परिषद् का वार्षिक अधिवेशन 16 सितम्बर को

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न युवक परिषद् का वार्षिक अधिवेशन, शनिवार, दिनांक 16 सितम्बर 2017 को भोपालगढ़ में दोपहर 12.30 बजे आयोजित किया जा रहा है।

युवक परिषद् की सभी शाखाओं तथा सदस्यों ने अनुरोध है कि वे अधिवेशन में अवश्य भाग लें। संघहित में अपने महत्त्पूर्ण सुझाव भी हमें भिजवाने का श्रम करावें, ताकि आपके सुझावों पर चिन्तन कर उन्हें क्रियान्वित करने का प्रयास किया जा सके।- मनीष लोढ़ा, महासचिव

संघ–सेवा सोपान में सहयोग दीजिए

संघ-सेवा, कर्म-निर्जरा का कारण है। इसलिए प्रत्येक सदस्य का कर्त्तव्य है कि वह तन-मन-धन और समर्पित भाव से संघ-सेवा में उत्तरोत्तर प्रगति करे। संघ अपनी सहयोगी संस्थाओं और शाखाओं के माध्यम से प्रत्येक संघ सदस्य तक पहुँचने के उद्देश्य के साथ ही ज्ञान-दर्शन-चारित्र की अभिवृद्धि, स्वधर्मी-वात्सल्य एवं संघ- संगठन के कार्य में निरन्तर गतिशील है। प्रत्येक परिवार संघ के विकास और उद्देश्यों की पूर्ति में तन-मन-धन से यथाशक्ति योगदान करें, इस पुनीत लक्ष्य से संघ ने संघ-सेवा सोपान योजना प्रारम्भ की है। संघ-सेवा सोपान योजना के अन्तर्गत संघ के कार्यों के चहुँमुखी विकास हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान करने के लिए दीर्घकालीन योजना का प्रारूप रखा गया है। आप संघ एवं संघ की सहयोगी संस्थाओं द्वारा संचालित प्रवृत्तियों के कुशल संचालन के लिए संघ द्वारा प्रस्तावित विभिन्न श्रेणियों का अवलोकन कर संघ के सहयोगी बनने का लक्ष्य

रखें। दानदाताओं के नाम संघ की मुख्य पत्रिका जिनवाणी एवम् समाचार पत्र रत्नम् में प्रकाशित किये जायेंगे। आपका सहयोग संघ का आधार है। आपके सहयोग, सुझाव एवं मार्गदर्शन से संघ चहुँमुखी विकास एवं प्रगति करेगा, ऐसा विनम्र विश्वास है।

-बसंत जैन, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, अ.भा. श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ

श्री कुशल जैन छात्रावास जोधपुर में प्रवेश ले

सूर्यनगरी जोधपुर में श्री कुशल जैन छात्रावास का सफल संचालन विगत कई वर्षो से किया जा रहा है, जिसमें सैकण्डरी, हायर सैकण्डरी एवं कॉलेज स्तर के छात्र-छात्राओं के ठहरने एवं भोजन की उत्तम व्यवस्था है। छात्रावास में प्रवेश लेने वाले छात्र को 2500 रुपये मात्र में आवास-निवास एवं भोजन की व्यवस्था प्रदान की जाती है। प्रवेश के इच्छुक छात्र निम्नाकिंत पदाधिकारियों से सम्पर्क कर सकते हैं:-1.मूलचन्द बाफना, ट्रस्टी- 9461549178, 2. भागचन्द कांकरिया, ट्रस्टी-9829027379, 3. सुगनचन्द छाजेड़, संयोजक-7568421744

छात्रावास का पता- श्री कुशल जैन छात्रावास, प्लॉट नं. 30, प्रथम पोलो, पावटा, जोधपुर-342006 (राज.), फोन नं. 0291-2546713

आगामी पर्व

श्रावण शुक्ल 8	सोमवार	31.07.2017	अष्टमी
श्रावण शुक्ल 14	रविवार	06.08.2017	चतुर्दशी
श्रावण शुक्ल 15	सोमवार	07.08.2017	पक्खी
भाद्रपद कृष्ण 8	मंगलवार	15.08.2017	अष्टमी
भाद्रपद कृष्ण 12	शनिवार	19.08.2017	पर्युषण पर्व प्रारम्भ
भाद्रपद कृष्ण 14	रविवार	20.08.2017	चतुर्दशी
भाद्रपद कृष्ण 30	सोमवार	21.08.2017	पक्खी
भाद्रपद शुक्ल 5	शनिवार	26.08.2017	संवत्सरी महापर्व